पश्चाताप - 10

अव्यक्त बापदादा (30.05.1973) **:-**

➳ _ ➳ जस्टिस के आगे चाहे कितना भी स्नेही सम्बन्धी हो लेकिन 'लॉ इज़ लॉ'। अभी लव का समय है फिर लाँ का समय होगा। फिर उस समय लिफ्ट नहीं मिल सकेगी। **अभी है प्राप्ति का समय और फिर थोड़े समय के बाद प्राप्ति का बदल पश्चाताप का समय आयेगा।** तो क्या उस समय जागेगे?

➳ _ ➳ बाप-दादा फिर भी सभी बच्चों को कहेंगे कि थोड़े समय में बहुत समय की प्राप्लब्ध बना लो। समय के इन्तज़ार में अलबेले न बनो। **सदैव यह स्मृति में रखो कि हमारा हर कर्म चौरासी जन्मों के रिकॉर्ड भरने का आधार है।**

➳ _ ➳ अपनी वृत्ति, अपने वायुमण्डल और अपनी वाणी को यथार्थ रूप में सैट करो। जैसे वह लोग भी वातावरण को बनाते हैं ऐसे आप लोग भी अपने वातावरण को, अपनी अन्तर्मुखता की शक्ति से श्रेष्ठ बनाओ। **वृत्ति को श्रेष्ठ और वाणी को भी राज-युक्त और युक्ति-युक्त बनाओ तब ही यह रिजल्ट बदल सकेगी।** बदलता तो है ना? क्या ऐसे ही मन्जूर है?

➳ _ ➳ **चैलेन्ज तो बहुत बड़ी करते हो कि हम पाँच तत्वों को भी बदलेंगे।** तो बिना चैकर के मेकर कैसे बनेंगे? अभी से कम्पलेन्ट कम्पलीट हो जानी चाहिये।

कुछ महत्वपूरण बिंदु :-

➢➢ लॉ इस लॉ

➳ _ ➳ Precaution Is Always Better Than Cure

→ रावण मत पर चल बड़े पाप से मिलने वाले दुःख से कहीं ज्यादा बेहतर है

■ श्रीमत के अन्दर रहकर अन्याय सहन करना

➢➢ Filter

➳ _ ➳ जो श्रीमत पर नहीं

→ वह खुद ब खुद बाहर हो जायेंगे

➢➢ खुद ही खुद को जगाना होगा

➳ _ ➳ Be Self Motivated / Inspired

➢➢ खुद से बातें कीजिये

➳ _ ➳ अभी प्राप्तियों का समय

→ फिर पश्चाताप का समय होगा

➳ _ ➳ अभी लव का समय है

→ फिर लॉ का समय होगा

➢➢ 3 V को श्रेष्ठ बनाओ

➳ _ ➳ Vritti (वृत्ति)

➳ _ ➳ Vaani (वाणी)

➳ _ ➳ Vaayumandal (वायुमंडल)

➢➢ Checking & Maker

➳ _ ➳ Strict होकर खुद की चेकिंग करो

→ खुद पर रहम नहीं करना है

➢➢ अध्यात्म एक विरोध है

➳ _ ➳ अहंकार के विरुद्ध

➢➢ Complaint Or Complete

➳ _ ➳ एक बात को पक्की कर लें :-

→ हर आत्मा को वही मिल रहा है ... जो उसे मिलना चाहिए

➳ _ ➳ सम्बन्ध खराब होने का सबसे बड़ा कारण

→ इर्ष्या

■ कलेजे पर सांप लोटना